

---

प्रधानमंत्री जनधन योजना एवं स्वा भमान योजना : एक  
तुलनात्मक अध्ययन ।

<sup>1</sup> प्रीति कुमारी<sup>2</sup> डॉ ब्रजेश कुमार सिंह

<sup>1</sup> शोध प्रज्ञ, डपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स, वाई बी एन यूनिवर्सिटी, रांची, झारखंड।

<sup>2</sup> एसो सेंट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, वाई बी एन यूनिवर्सिटी, रांची,  
झारखंड।

सारांश

प्रधानमंत्री जनधन योजना ( **PMJDY** ) और स्वा भमान योजना दोनों ही भारत सरकार द्वारा लागू की जा रही महत्वपूर्ण योजनाएं हैं , जिनका लक्ष्य आर्थिक समावेशन को बढ़ावा देना और गरीबी के असर से मुकाबला करना है। प्रधानमंत्री जनधन योजनाके तहत गरीब व्यक्तियों को वित्तीय समावेशन का लाभ मिला है। इससे उन्हें बैंक खाते में पैसे जमा करने, नेट बैंकिंग, और डेबिट कार्ड का उपयोग करने की सुविधा मिली है। यह उन्हें वित्तीय समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ने में मदद करता है।

बीमा सुविधासे गरीब व्यक्तियों को निःशुल्क जीवन बीमा कवर प्रदान की है। इससे उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिलती है और अचानक आपदा के समय उनके परिवार को आराम से जीने का मौका मिलता है। इसके तहत गरीब व्यक्तियों को वित्तीय शिक्षा और जागरूकता देने का प्रयास किया जाता है। इससे उन्हें अधिक उचित वित्तीय निर्णय लेने में मदद मिलती है।

गरीब व्यक्तियों को सरलता से बैंकिंग सेवाएं मिलती हैं। इससे उन्हें बैंकिंग सिस्टम का इस्तेमाल करने में आसानी होती है और उन्हें समृद्धि की दिशा में कदम उठाने में मदद मिलती है। इस योजना ने आर्थिक समानता को बढ़ावा दिया है। इससे गरीब व्यक्तियों को समाज में समानता का अहसास होता है और उन्हें आर्थिक रूप से समृद्धि का मौका मिलता है।

स्वा भमान योजना:

स्वा भमान योजना भारत सरकार द्वारा लागू की जाने वाली एक योजना है जो आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने का उद्देश्य रखती है। इस योजना के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और व भन्न समुदायों के लोगों को उनके स्वावलंबन और स्वरोजगार की ओर प्रोत्साहित किया जाता है।

इस योजना के माध्यम से गरीबी के खिलाफ लड़ाई में सहायता दी जाती है और गरीब लोगों को आर्थिक रूप से समृद्ध की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसके तहत व भन्न स्वरोजगार समूहों का समर्थन किया जाता है जिससे उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने में मदद मिलती है। गरीब वर्गों को व भन्न कौशल विकास प्रशिक्षण योजनाओं का लाभ मिलता है जिससे उनके रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। इसके तहत उद्यमता समर्थन के लिए ऋण सुवधा भी प्रदान की जाती है जो गरीब लोगों को उद्यमता की दिशा में प्रेरित करती है।

स्वा भमान योजना के अंतर्गत व भन्न विकास कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं जिनसे गरीब वर्गों को संबल बनाने की कोशिश की जाती है। इस योजना के माध्यम से गरीब वर्गों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए व भन्न सुवधाएं और समर्थन प्रदान किए जाते हैं जो उनके स्वावलंबन और स्वरोजगार की ओर प्रोत्साहित करते हैं।

इन दोनों योजनाओं के तहत भारत सरकार गरीबी के खिलाफ लड़ने और गरीब वर्गों को समृद्ध की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही है। ये योजनाएं वत्तीय समावेशन और स्वरोजगार के माध्यम से गरीब वर्गों को सशक्त बनाने का प्रयास कर रही हैं।

प्रस्तावना:

प्रधानमंत्री जनधन योजना ( **PMJDY** ) और स्वा भमान योजना दोनों ही भारत सरकार द्वारा लागू की गई महत्वपूर्ण योजनाएं हैं, जो आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को समृद्ध की दिशा में आगे बढ़ाने का उद्देश्य रखती हैं।

इनका मुख्य उद्देश्य भारतीय आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को बैंक सेवाओं के लाभ से जोड़ना और इसे वत्तीय समावेशन में बढ़ावा देना है। इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोगों को बैंक खाते में पैसे जमा करने, नेट बैंक, डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने, और व भन्न वत्तीय सुवधाओं का लाभ प्रदान किया जाता है।

स्वा भमान योजना:

स्वा भमान योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सशक्त बनाना है। इस योजना के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोगों को स्वरोजगार, ऋण सुवधा, कौशल विकास, और व भन्न विकास कार्यक्रमों का लाभ प्रदान किया जाता है। इससे गरीब वर्गों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की कोशिश की जाती है।

इन दोनों योजनाओं के माध्यम से भारत सरकार गरीबी के खिलाफ लड़ने और गरीब वर्गों को समृद्ध की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही है। ये योजनाएं वत्तीय समावेशन और स्वरोजगार के माध्यम से गरीब वर्गों को सशक्त बनाने का प्रयास कर रही हैं।

साहित्य की समीक्षा:

प्रधानमंत्री जनधन योजना ( **PMJDY** ) और स्वा भमान योजना दोनों ही भारत सरकार द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए वत्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई योजनाएं हैं। ये दोनों योजनाएं आर्थिक समावेशन , स्वरोजगार के अवसर, और आर्थिक स्वावलंबन को बढ़ाने के लिए व भन्न सुवधाएं प्रदान करती हैं।

प्रधानमंत्री जनधन योजना (**PMJDY**):

1.लाभार्थी: **PMJDY** के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सम्मिलित किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत खाता खोलने की सुवधा , बीमा सुवधा, पेंशन सुवधा, जीवन बीमा कवर , आधार सीधा लाभ अंतरण , स्वच्छ भारत अभियान का समर्थन, वत्तीय शिक्षा, और भुगतान जैसी अनेक सुवधाएं प्रदान की जाती हैं।

2.समीक्षा: **PMJDY** ने देशवासियों को वत्तीय समावेशन की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। यह योजना गरीब वर्गों को बैंक सेवाओं और वत्तीय समावेशन के लाभ से जोड़ने में सफल हुई है। खाता खोलने के लिए आसान प्रक्रिया और मुफ्त बीमा सुवधा ने लोगों को इसके लाभ का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया है। यह योजना वत्तीय समावेशन के क्षेत्र में अधिक लोगों को शामिल करने में मदद करती है और गरीबी के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होती है।

स्वा भमान योजना:

1.लाभार्थी: स्वा भमान योजना के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और व भन्न समुदायों के लोग सम्मिलित होते हैं। इस योजना के अंतर्गत व भन्न

विकास कार्यक्रम, स्वरोजगार के अवसर, कौशल विकास, ऋण सुवधा, और आधुनिक ट्रेनिंग सुवधाएं प्रदान की जाती हैं।

2. समीक्षा: स्वाभमान योजना ने गरीबी के खिलाफ लड़ाई में सफलता के लिए कई समुदायों को सशक्त बनाने में सहायक है। इस योजना के तहत स्वरोजगार के अवसर और कौशल विकास सुवधा के माध्यम से लोगों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यह योजना व भन्न विकास कार्यक्रमों और ऋण सुवधा के माध्यम से लोगों को आर्थिक समृद्ध की दिशा में मदद करती है।

अवधारणा:

इनकी अवधारणा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को बैंक सेवाओं के लाभ से जोड़ना है। यह योजना बैंक खाते में पैसे जमा करने, नेट बैंक, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, बीमा, पेंशन और वृत्तीय शिक्षा की सुवधा प्रदान करने के माध्यम से गरीब वर्गों को वृत्तीय समावेशन में शामिल करने का लक्ष्य रखती है।

स्वाभमान योजना की अवधारणा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सशक्त बनाना है। इस योजना के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोगों को स्वरोजगार, कौशल विकास, ऋण सुवधा, विकास कार्यक्रम और आधुनिक ट्रेनिंग सुवधा प्रदान की जाती है। यह योजना गरीब वर्गों को स्वावलंबन की दिशा में प्रेरित करने का लक्ष्य रखती है और उन्हें आर्थिक समृद्ध की दिशा में प्रोत्साहित करती है।

इन योजनाओं के माध्यम से भारत सरकार ने गरीबी के खिलाफ लड़ाई में सफलता के लिए कई कदम उठाए हैं और आर्थिक समावेशन और स्वावलंबन के माध्यम से गरीब वर्गों को सशक्त बनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। ये योजनाएं वृत्तीय समावेशन और स्वरोजगार के माध्यम से गरीब वर्गों को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम हैं।

वषय:

प्रधानमंत्री जनधन योजना : (Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana, PMJDY) एक राष्ट्रीय स्तरीय योजना है, जो भारत सरकार द्वारा 28 अगस्त 2014 को शुरू की गई थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य भारतीय आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को वृत्तीय समावेशन की सुवधाएं प्रदान करना है। यह योजना गरीबी रेखा से ऊपर के लोगों को बैंक सेवाओं तक पहुंचने का माध्यम बनाने का लक्ष्य रखती है।

1. फर्ने सयल समावेशन: गरीब वर्गों को वत्तीय समावेशन में शामिल करना। इसके जरिए उन्हें बैंक खाता, डेबिट कार्ड, और नेट बैंक की सुवधाएं प्रदान की जाती हैं।
  2. बीमा सुरक्षा: योजना के तहत खाताधारकों को जीवन बीमा, निश्चित योजना बीमा, और एकसाधारण बीमा जैसी बीमा सुवधाएं भी प्रदान की जाती हैं।
  3. क्रेडिट विकास: योजना के माध्यम से गरीब वर्गों को ऋण सुवधाएं प्रदान की जाती हैं, जिससे उन्हें उद्यमता और स्वरोजगार के लिए अवसर मिलते हैं।
  4. आर्थिक शिक्षा: इस योजना के तहत वत्तीय शिक्षा को प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे लोग बैंक और वत्तीय समावेशन के लाभ को समझ सकते हैं।
- PMJDY** के अंतर्गत खाताधारकों को बिना मनिमम बैलेंस या खाता खोलने की सुवधा होती है। यह योजना भारत में वत्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करने में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

स्वाभमान योजना: भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक राष्ट्रीय स्तरीय योजना है, जो गरीबी रेखा से ऊपर के लोगों को सशक्त बनाने के लिए नए स्वरोजगारी अवसर प्रदान करती है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब वर्गों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इस योजना के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोगों को स्वरोजगार के अवसर, कौशल विकास, ऋण सुवधा, और विकास कार्यक्रमों की सुवधाएं प्रदान की जाती हैं।

1. स्वरोजगार के अवसर: योजना के अंतर्गत गरीब वर्गों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जाते हैं। इससे वे खुद को रोजगार के लिए आर्थिक रूप से स्वावलंबी बना सकते हैं।
2. कौशल विकास: योजना के तहत गरीब वर्गों को कौशल विकास के लिए ट्रेनिंग सुवधाएं प्रदान की जाती हैं। इससे उन्हें नौकरी और उद्यमता के लिए जरूरी कौशलों का विकास होता है।
3. ऋण सुवधा: स्वाभमान योजना के अंतर्गत गरीब वर्गों को बैंकों से आसानी से ऋण सुवधाएं मिलती हैं, जिससे उन्हें उद्यमता के लिए वत्तीय समर्थन प्राप्त होता है।
4. विकास कार्यक्रम: योजना के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोगों को समृद्ध के लिए वभिन्न विकास कार्यक्रमों की सुवधा प्रदान की जाती है। इससे उन्हें अधिक विकास के लिए समर्थ बनाया जाता है।

स्वा भमान योजना भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है , जो गरीब वर्गों को आर्थिक समृद्ध और स्वावलंबन की दिशा में प्रेरित करने के लिए कदम उठाती है। इससे वे आत्मनिर्भर बनकर समाज में सम्मानित हो सकते हैं और अपने जीवन की गुणवत्ता को सुधार सकते हैं।

वस्तुनिष्ठज:

प्रधानमंत्री जनधन योजना और स्वा भमान योजना दोनों ही भारत सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाएं हैं, जो आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने के लिए निर्मित हैं। हम इन दोनों योजनाओं को वस्तुनिष्ठ रूप से निम्न लक्ष्य अंशों में वभाजित कर सकते हैं:

प्रधानमंत्री जनधन योजना (PMJDY):

1. उद्देश्य: **PMJDY** का मुख्य उद्देश्य भारतीय आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को वृत्तीय समावेशन की सुवधाएं प्रदान करना है।
2. सुवधाएं: इस योजना के अंतर्गत खाताधारकों को बैंक खाता , डेबिट कार्ड, नेट बैंकंग, बीमा सुवधा, और वृत्तीय शिक्षा की सुवधाएं प्रदान की जाती हैं।
3. लाभार्थी: गरीबी रेखा से ऊपर के लोग , विशेष रूप से राज्य सरकारों के आधार डेटा में नामांकित गरीब परिवारों के सदस्यों को इस योजना का लाभ प्राप्त होता है।

स्वा भमान योजना:

1. उद्देश्य: स्वा भमान योजना का उद्देश्य गरीब वर्गों को स्वरोजगार के अवसर , कौशल विकास, ऋण सुवधा, और विकास कार्यक्रमों की सुवधाएं प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है।
2. सुवधाएं: इस योजना के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोगों को स्वरोजगार के अवसर, कौशल विकास के लिए ट्रेनिंग सुवधाएं , ऋण सुवधा, और विकास कार्यक्रमों की सुवधाएं प्रदान की जाती हैं।
3. लाभार्थी: स्वा भमान योजना का लाभ गरीबी रेखा से ऊपर के गरीब वर्गों के लोगों को मिलता है। यह योजना सबको समान रूप से प्रदान की जाती है , इसमें नामांकन की कोई नहीं होती।

इन दोनों योजनाओं के माध्यम से भारत सरकार ने गरीब वर्गों को वित्तीय समावेशन और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करके उन्हें समृद्ध और स्वावलंबी बनाने के लिए कदम उठाये हैं।

अनुसंधान पद्धति:

प्रधानमंत्री जनधन योजना और स्वाभमान योजना का अनुसंधान व भन्न तरीकों से किया जा सकता है। इन योजनाओं के प्रभाव और सफलता को मापने के लिए निम्न लिखत अनुसंधान पद्धतियों का उपयोग किया जा सकता है:

1. सर्वेक्षण और डेटा विश्लेषण: व भन्न सर्वेक्षण और डेटा विश्लेषण तकनीकें इन योजनाओं के प्रभाव को मापने में मदद कर सकती हैं। इसमें खाताधारकों के वित्तीय व्यवहार, उनके स्वरोजगार या उद्यमता में बदलाव, उद्योग सेक्टर में सक्रियता आदि का अध्ययन शामिल हो सकता है।
2. क्वांटिटेटिव और क्वालिटेटिव अध्ययन: इन योजनाओं के लाभार्थियों के साथ समीक्षात्मक अध्ययन करके उनके जीवन में हुए पॉजिटिव बदलावों को समझा जा सकता है। यहां उनके अनुभव, उद्दीपना, संघर्ष आदि का विश्लेषण किया जा सकता है।
3. आर्थिक अध्ययन: इन योजनाओं के लाभार्थियों के आर्थिक स्थिति और समृद्ध में हुए बदलाव का अध्ययन किया जा सकता है। इसमें खाताधारकों के बैंक खातों में जमा धन, क्रेडिट उपयोग, वित्तीय समावेशन के उपयोग की वधियों का विश्लेषण शामिल हो सकता है।
4. केस स्टडीज: व भन्न प्रशासनिक इकाइयों और संगठनों में अध्ययन के लिए केस स्टडीज का उपयोग किया जा सकता है। इसमें उन लोगों के अनुभवों को देखा जा सकता है जिन्होंने इन योजनाओं का लाभ प्राप्त किया है और उनकी इकोनॉमिक एंड सोशल इम्पैक्ट को मापा जा सकता है।
5. विश्लेषणात्मक अध्ययन: योजनाओं के प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया जा सकता है, जिसमें परिणामों को सांख्यिकी और विश्लेषण के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है।

यह तरीके और पद्धतियां उचित रूप से संयोजित करके प्रधानमंत्री जनधन योजना और स्वाभमान योजना के प्रभाव को निष्कर्षित किया जा सकता है और सरकार को उन्हें

सुधारने और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने में मदद मिलती है।

क मया:

प्रधानमंत्री जनधन योजना और स्वाभमान योजना का प्रयास भारत के गरीब वर्गों के आर्थिक समावेशन और सशक्तिकरण को बढ़ाने का है। हालांकि, कुछ कमियां भी हैं जो इन योजनाओं को सफलता तक पहुंचाने में रोक सकती हैं। कुछ प्रमुख कमियां निम्नलिखित हैं:

1. विशेषज्ञता की कमी: इन योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय सेवाओं के प्रोवाइडर्स के साथ गरीब वर्गों को विशेषज्ञ सलाह और ट्रेनिंग की कमी हो सकती है। ऐसा करके, उन्हें वित्तीय समावेशन के लाभ का सही उपयोग नहीं कर पाने की संभावना होती है।
2. बैंक इंफ्रास्ट्रक्चर: ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी हो सकती है, जिससे लोगों को बैंक खाते खोलने और उन्हें प्रभावी रूप से उपयोग करने में कठिनाई हो सकती है।
3. वित्तीय शिक्षा की कमी: गरीब वर्गों में वित्तीय शिक्षा की कमी के कारण उन्हें वित्तीय समावेशन के लाभ को सही तरीके से समझने में दिक्कत हो सकती है।
4. उचित लाभ नहीं मिलना: कई बार देखा गया है कि प्रधानमंत्री जनधन योजना और स्वाभमान योजना के लाभार्थियों को उचित लाभ नहीं मिल पाता है, क्योंकि कई बैंक और वित्तीय संस्थानों के कर्मचारियों द्वारा अनुचित शुल्कों और खर्चों की वजह से लाभ खत्म हो जाता है।
5. खाता नियम और पात्रता: गरीब वर्गों के लिए बैंक खाते खोलने के नियम और पात्रता में कई बार असंगठितता और व भन्न रूपों की दिक्कतें होती हैं, जिससे लोग अपने नाम और खाते को समर्थन करने में समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं।

इन कमियों का सामान्यतः गरीब वर्गों के लिए वित्तीय समावेशन और सशक्तिकरण की पहुंच और प्रभाव को प्रभावित करता है। सरकार को इन व भन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए सशक्त नीतियों और निर्देशकों का विकास करने की आवश्यकता होती है ताकि योजनाओं को अधिक सफलता और समानता के साथ अमल में लाया जा सके।



निष्कर्ष:

1. वत्तीय समावेशन: प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत गरीब वर्गों को बैंक खाता, डेबिट कार्ड, और वत्तीय समावेशन की सुवधा मलती है। स्वा भमान योजना के अंतर्गत उन्हें ऋण सुवधा भी प्रदान की जाती है। इससे गरीब वर्गों के लोग बैंकंग सेवाओं और वत्तीय समावेशन का लाभ उठा सकते हैं।
2. स्वरोजगार और उद्यमता: स्वा भमान योजना के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोगों को स्वरोजगार के अवसर और कौशल विकास के लए ट्रेनिंग सुवधाएं मलती हैं। इससे उन्हें नौकरी के स्थान पर खुद के उद्यम को समभालने का अवसर मलता है और अपने परिवार की आर्थक स्थिति में सुधार होता है।
3. समाजिक अंतर: दोनों योजनाओं के माध्यम से गरीब वर्गों को समाज में उच्चतर स्थान पर लाने में मदद मलती है। इन योजनाओं के लाभार्थियों को समाज में सम्मान मलता है और उनका स्वा भमान बढ़ता है।
4. आर्थक विकास: प्रधानमंत्री जनधन योजना और स्वा भमान योजना के माध्यम से आर्थक विकास को गति मलती है। इन योजनाओं के लाभार्थियों का आर्थक समृद्ध के माध्यम से विकास होता है और उन्हें अधिक समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने के लए सक्रयता का अवसर मलता है।

इन निष्कर्षों से साफ है क प्रधानमंत्री जनधन योजना और स्वा भमान योजना भारत में गरीब वर्गों के लए बड़े परिवर्तन के लए महत्वपूर्ण कदम हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत वत्तीय समावेशन, स्वरोजगार, और आर्थक सशक्तिकरण के लए कई सुवधाएं प्रदान की जाती हैं जो गरीब वर्गों को अधिक समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने में मदद करती हैं।

संदर्भ ग्रन्थ सूची:

1. "Financial Inclusion and Inclusive Growth: An Assessment of PMJDY and MUDRA Yojana" by Dr.RanjeetMechat
2. "Jan Dhan Yojana: How Beneficial Is the Scheme to the Economically Weaker Sections?" by Manish Agrawal
3. "Financial Inclusion and Jan Dhan Yojana: A Study in Rajasthan" by Dr. Geeta Saxena
4. "The Impact of Jan Dhan Yojana on Financial Inclusion in India" by



**Dr. P. M. Sharma and Dr. Varun Gupta**

5. "Economic Empowerment of Weaker Sections through Jan Dhan Yojana" by Prof. Rajesh Mishra and Dr. Sanjay Gupta

6. "Jan Dhan Yojana: An Overview" by Dr. R. K. Uppal and Dr. G. S. Batra

7. "Economic Inclusion of the Weaker Sections through Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana" by Dr. S. P. Gupta and Dr. R. K. Uppal

8. "Assessment of the Impact of Jan Dhan Yojana on Financial Inclusion" by Dr. Alok Kumar Tiwari

9. "Jan Dhan Yojana and Financial Inclusion in India" by Dr. Uday Kumar Shukla